/font>

Title: Regarding alleged police firing on the tribals and local people over the issue of opening of Bhojshala temple for daily worship in Dhar, Madhya Pradesh.

श्री प्रहलाद सिंह पटेल (बालाघाट) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं जिस विाय की ओर सदन का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं, वह धार के भोजनालय का विाय है। भारत सरकार के पर्यटन मंत्री आदरणीय श्री जगमोहन जी ने मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री को एक पत्र लिखा और कहा कि केन्द्र सरकार ने पिछली सरकारों के नि वेदन पर जो प्रतिबंध लगा था, उसे हम वापिस करते हैं और यह निर्णय आपके ऊपर होता है।

SHRI BIKRAM KESHARI DEO (KALAHANDI): Mr. Speaker, Sir, â€¦ ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Your name will also be associated on this issue.

...(*Interruptions*)

श्री प्रहलाद सिंह पटेल : पत्र मिलने के बाद भी मध्य प्रदेश की सरकार ने जब कार्यवाही नहीं की, भोजशाला के मामले में एक बात सदन की जानकारी में लाना चाहता हूं कि यदि किसी व्यक्ति को तथ्य की जानकारी न हो और वह कह दे तो यह अपराध नहीं माना जाता। लेकिन मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री ने विधान सभा में, ि वधान सभा के बाहर सरस्वती के मंदिर को, जिसे राजा भोज ने बनवाया था,â€¦ (व्यवधान)

श्री सुन्दर लाल तिवारी (रीवा) : यह सच्चाई नहीं है।â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रहलाद सिंह पटेल : आप बाद में बोलिए।â€¦ (व्यवधान) राजा भोज ने जिस सरस्वती मां के मंदिर को बनवाया और जिसमें विद्वत परिाद लगती थी, उसके दर वाजे न खोल कर जान-बूझकर मध्य प्रदेश में विाम परिस्थिति पैदा की। 19 तारीख को पहली बार गोली चलन हुआ जिसमें सात लोग आहत हुए। कल फिर से गोली चलन हुआ और एक आदिवासी बंसी उसमें मारा गया। मेरा कहना है कि यदि प्रदेश के मुख्य मंत्री तथ्य की गलत जानकारी दें, केन्द्र सरकार के मंत्री के कहने के बाद भी अगर वहां दरवाजे न खोले जाएं और स्थिति को बिगाड़ा जाए तो इससे ज्यादा शर्मनाक बात दूसरी नहीं हो सकती।

वहां जो आदिवासी लोग मारे गये हैं, â€¦ (व्यवधान) रास्ते रुक रहे हैं, â€¦ (व्यवधान) पहले धार बंद हुआ, उसके बाद पूरा इंदौर बंद किया गया।â€¦ (व्यवधान) मैं आपसे कहना चाहता हूं कि ऐसे राट्रीय महत्व के स्थानों पर जानबूझकर मध्य प्रदेश की सरकार वहां के मुख्य मंत्री, कांग्रेस के नेता राज्य की स्थिति बिगाड़ने का प्र यास कर रहे हैं।â€¦ (व्यवधान)

श्री शिवराज सिंह चौहान (विदिशा) : सर, मेरा भी नोटिस है।â€¦ (व्यवधान)

श्री थावरचन्द गेहलोत (शाजापुर) : अध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश में धार में राजा भोज ने भोजशाला में 14वीं 15वीं सदी में मंदिर बनाया था और उस मन्दिर में 1996 तक लगातार रोज मां सरस्वती जी की पूजा होती रही थी परंतु वर्तमान में जो दिग्विजय सिंह जी की सरकार है, उन्होंने 1996 में प्रतिबंध लगाकर यह निर्णय कर दिया कि वहां साल में केवल एक बार वसंत पंचमी पर मां सरस्वती जी की पूजा होगी।â€¦ (व्यवधान) आप और हम कल्पना कर रहे हैं कि वहां मन्दिर है और वहां साल में केवल एक बार पूजा की अनुमति हो और बाकी दिन प्रतिबन्ध लगा दिया है, उस कारण से वहां लोगों की मांग रही है कि वहां रोज पूजा के लिए उसको खोला जाए परंतु दिग्विजय सिंह जी की सरकार नहीं खोल रही है और गुजरात और गोआ में चुनाव हारने के बाद, ाडयंत्र करके साम्प्रदायिक स्थिति बिगाड़ना चाहती है। â€¦ (व्यवधान) इसलिए हम निवेदन करना चाहते हैं कि केन्द्र की सरकार वहां भोजशाला में मन्दिर खोलने का प्रयास करे और उसको खोल देना चाहिए। सरकार से हम यह मांग करते हैं।â€¦ (व्यवधान)

SHRI G.M. BANATWALLA (PONNANI): Mr. Speaker, Sir, my notice is also there on the same issue.

MR. SPEAKER: I will also give you a chance to speak. I have received your notice.

SHRI G.M. BANATWALLA : Friday prayer's time is also coming. You are pushing me out.

MR.SPEAKER: I have also received your notice. Your notice is at number 37 in my list.

SHRI G.M. BANATWALLA : When the matter has come up, you should allow me.

MR.SPEAKER: I have seen that. Even though your number is much below in the list, I am going to permit you to speak.

SHRI G.M. BANATWALLA: When the matter has come up, I must be permitted to speak.

...(*Interruptions*)

MR.SPEAKER On the same issue, his notice is also there.

...(*Interruptions*)

SHRI G.M. BANATWALLA : Sir, you have gone to other subjects. This is not fair...(*Interruptions*) My notice was on the same subjectâ€¦ (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: He has been allowed to speak because he has given the notice before you gave your notice.

...(*Interruptions*)

श्री शिवराज सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, इसी विाय पर इनका भी नोटिस है, ये मेरे बाद बोल सकते हैं। 997 ईस्वी में राजा भोज ने धार में भोजशाला का निर्माण कराया था। वहां पर मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित की थी, जो कि आज भी विराजमान है। उस भोजशाला में उस समय विद्वत परािद की बैठक हुआ करती थी। 997 ईस्वी से 1997 तक वहां लगातार हिन्दू दर्शनार्थी निर्बाध रूप से आते थे और मां सरस्वती की पूजा करते थे।â€¦(व्यवधान) लेकिन 1997 में वहां की प्रदेश सरकार ने हिन्दुओं की भावनाओं को कुचलते हुए उस भोजशाला में हिन्दुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया। उस सम्बन्ध में यह कहा गया कि यह केन्द्र सरकार कर रही है। लेकिन तब केन्द्र सरकार का पत्र वहां गया, जिसमें कहा गया था कि उसने ऐसा नहीं किया है और प्रदेश सरकार उस भोजशाला को खोल दे, तो हमें प्र ासन्नता होगी। इसके बाद जब हिन्दुओं ने मांग की तो निर्दो हिन्दुओं को धार जिले में और इन्दौर सम्भाग में कुचला गया। अमझेरा में जब एक निर्दोश पुजारी की हत्या के बाद वहां के आदिवासी उसका अंतिम संस्कार करके लौट रहे थे, तो पुलिस ने उन पर अकारण ही गोलियां चलाईं, जिसके फलस्वरूप तीन लोग मारे गए। उनमें एक वन सिंह आदिवासी भी था। â€¦(व्यवधान) इसके अलावा मेघ नगर में, झाबुआ में भी निर्दो लोगों पर गोलियां चलाई गई, जो भोजशाला खोलने की मांग कर रहे थे। राजगढ़ में और धार में लोगों पर टाडा के तहत कार्रवाई की गई। मध्य प्रदेश की सरकार और वहां के मुख्य मंत्री जानबूझकर प्रदेश के हिन्दुओं को कुचलने का काम कर रहे हैं। मध्य प्रदेश में गंजवासौदा नगर में एक गाय की हत्या की गई। उसके बाद हत्यारे को तो राज्य सरकार संरक्षण दे रही है और जिसने गाय की हत्या को उजागर किया था उसे रासुका में बंद कर जेल भेज दिया गया है। पूरा मालवा क्षेत्र आतंक के साये में जी रहा है। वोट बैंक की राजनीति के कारण निर्दो हिन्दुओं को प्रदेश सरकार द्वारा कुचला जा रहा है। धार की भोजशाला की वस्तुस्थिति के बारे में एक अंग्रेज अधिकारी कार्टिजन ने 1870 में सर्वे किया था, जिसमें सारी बात का वर्णन है। उस सर्वे की रिपोर्ट केन्द्र सरकार देखे तो वस्तुस्थिति का पता चल जाएगा। इसलिए मेरा निवेदन है कि केन्द्र की ओर केन्द्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री को वहां भेजा जाए और वस्तुस्थिति का पता लगाकर भोजशाला को हिन्दुओं के लिए खोला जाए। इसके अलावा वहां जो अतिक्रमण हुआ है, उसको हटाया जाए।

SHRI G.M. BANATWALLA : Mr. Speaker Sir, a totally wrong politically motivated dispute, with an eye on the election, has been raised. At Dhar, there is an ancient Kamal-Moula Masjid and a wrong history is sought to be produced before the House in order to mislead the House.

At present, this Kamal-Moula Masjid is under the Archaelogical Survey of India. There is an Act and the Act has several sections. They must prevail. Sir, threats are being given that Dhar and Kamal-Moula Masjid issue will be turned into a new Ayodhaya Issue. The violence has been unleashed there. This is the time, when the Government must be firm and see to it that firm action is taken in this case. An ancient Masjid once again is being brought under dispute.

The attempt is to set the entire nation on communal fire. The Archaeological Survey of India is managing this Kamal-Moula mosque. Every Friday *namaz* is being offered at Kamal-Moula masjid. Today is also a Friday. Unnecessarily, with a political motive and with an eye on the election, this particular dispute has been raised. I appeal to the Government to be firm with all these people who want to turn the issue into a new Ayodhya.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: No advocates are allowed in the House.

डॉ.लक्ष्मीनारायण पाण्डेय : महोदय, मध्य प्रदेश के धार ज़िले में भोजशाला में वैधानिक रूप से वहां प्रवेशार्थी लोगों को ज़बरन रोका गया जो बड़ी संख्या में थे। उन पर लाठीचार्ज हुआ, अश्रु गैस छोड़ी गई और प्राप्त समाचारों के अनुसार गोली चलने से तीन लोगों की मृत्यु हो गई। इससे पूरे इंदौर संभाग में तनावपूर्ण स्थिति है। स्थान-स्थान पर कर्फ्यू लगे हुए हैं। पूरा इंदौर संभाग आज बंद रहा और पूरे मध्य प्रदेश में इस घटना की तीव्र प्रतिक्रिया है और लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति खराब हो सकती है। इस पर गृह मंत्री जी सरकार की तरफ से कुछ कहें। â€¦(व्यवधान)